ॐ
वर्ष-11, अंक-3, 1-15 फरवरी, 2026 (पाक्षिक)

चाणक्य वार्ता

राजभाषा हिन्दी की संपूर्ण अंतरराष्ट्रीय पत्रिका

ISSN 2456-1207
मूल्य : 50 रुपये
कुल पृष्ठ 64

परिशिष्ट

प्रकृति में सब कुछ सत्य पर आधारित है, सत्य बोलने वाला और सच का साथ देने वाला व्यक्ति कभी नहीं हारता–आचार्य चाणक्य

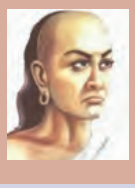

चाणक्य वार्ता

सम्पूर्ण अंतरराष्ट्रीय पत्रिका

वर्ष : 11, अंक : 3, 1-15 फरवरी, 2026

अनुक्रम

05 सम्पादक के नाम पत्र
06 सम्पादक की कलम से
07 अतिथि सम्पादक की कलम से

आर्य समाज के गौरवशाली 150 वर्ष परिशिष्ट

10 आर्य समाज के विषय में विशिष्टजनों के विचार
13 पुनरुत्थान युग का द्रष्टा-दयानन्द : डॉ. ज्वलंतकुमार शास्त्री
24 सनातन धर्म का कवच आर्य समाज एवं उसकी 150 वर्ष की यात्रा पर एक दृष्टि : प्रो. विनय कुमार विद्यालंकार
29 150 वर्षों की वैचारिक यात्रा—उपलब्धियाँ और भविष्य के स्वप्न : ओम सपरा
33 आर्य समाज न होता तो : प्रकाश आर्य
35 अगले 150 स्वर्णिम वर्षों के लिए हमारा कर्त्तव्य : आचार्य राहुल देव
37 नारी शिक्षा से नारी का उत्थान और आर्य समाज : योगेश राज उपाध्याय

नई दिल्ली कार्यालय
मुख्यालय :
'सन्निधि', ए-28, मनसाराम पार्क, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059
कॉरपोरेट कार्यालय :
321, तृतीय तल, वर्धमान मॉल, प्लॉट-2, सेक्टर-19, द्वारका, नई दिल्ली-110077
सम्पर्क : 09871909808, 08571841127
ई-मेल : chanakyavarta@gmail.com

उत्तर क्षेत्र कार्यालय
252, खिल्ला कॉलोनी, कालका पंचकूला, हरियाणा-133302
सम्पर्क : **09466988764**

पूर्वोत्तर क्षेत्र कार्यालय
116, कॉमर्स हाउस, एम.जी. रोड, फैंसी बाजार निकट ऐक्सिस बैंक, गुवाहाटी, असम-781001
सम्पर्क : **09101834214, 9864337619**

दक्षिण क्षेत्र कार्यालय
13, नल्लन्ना मुदली स्ट्रीट, साहुकारपेट, चेन्नई-600 079
सम्पर्क : **9342302248, 9941245660**

संरक्षक
डॉ. योगेन्द्र नारायण (पूर्व महासचिव, राज्यसभा)
कुलाधिपति, गढ़वाल विश्वविद्यालय
लक्ष्मीनारायण भाला (वरिष्ठ साहित्यकार)

परामर्श मंडल
पद्मश्री डॉ. (स्व.) श्यामसिंह शशि
(कुलाधिपति, रोमा विश्वविद्यालय)
वेणुगोपालन (वरिष्ठ पत्रकार)

सम्पादक मंडल
सम्पादक : **डॉ. अमित जैन**
कार्यकारी सम्पादक : **आर.पी. तोमर**
उप सम्पादक : **सारांश कनौजिया**

संस्थापक राष्ट्रीय समन्वयक
स्व. घनराज भाम्बी
(वरिष्ठ पत्रकार-रक्षा सेनाएँ एवं अर्द्ध सैनिक बल)
दिलीप बैनर्जी, कोलकत्ता

आर्थिक सलाहकार मंडल
सी.ए. मन्त्रेश्वर कर्ण
सी.ए. स्वीटी जैन

अन्तरराष्ट्रीय सलाहकार मंडल
अभिषेक त्रिपाठी, आयरलैंड
कैलाश कंदोई, सिलीगुड़ी

विधि सलाहकार मंडल
अंकुर जैन (अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट)
योगेश कुमार (चेयरमैन, नेचर व्यू)
अजय नागर (स्वतंत्र पत्रकार)

राज्य प्रभारी
उत्तर क्षेत्र प्रभारी- **विशाल शर्मा**, चंडीगढ़
पूर्वोत्तर क्षेत्र प्रभारी- **राजीब अगस्ती**, गुवाहाटी
दक्षिण क्षेत्र प्रभारी- **नवरतन पींचा जैन**, चेन्नई
पश्चिमी क्षेत्र प्रभारी- **आशा सिंह देवासी**, मुंबई
पूर्वी क्षेत्र प्रभारी- **प्रकाश बेताला**, भुवनेश्वर
असम प्रभारी- **दीक्षित हजारिका**, तिनसुकिया
तमिलनाडु प्रभारी- **जे.पी. ललवानी**, चेन्नई
उत्तर प्रदेश प्रभारी- **इंदुभाल त्रिपाठी**, प्रयागराज
पश्चिमी उ.प्र. प्रभारी- **अंकित जैन**, मेरठ

राष्ट्रीय

41 कर्तव्य पथ पर दिखी भारत की ताकत : आर.पी. तोमर

राज्यों से

45 बिहार–उसूलों के पाबंद, संस्कृति रक्षक और सर्वधर्म प्रेमी हैं बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान : मृत्युंजय झा

चिन्तन

52 आचार्य चाणक्य ने बताए बुद्धिमान गृहस्थ के लक्षण : रमेश चंद्र जैन

समाचार जगत

49 चाणक्य वार्ता पाक्षिकनामा
50 खबरों में देश-विदेश : सोनम जैन
51 उत्तर भारत की खबरें : विशाल शर्मा/शैलेन्द्र जैन
52 पूर्वोत्तर भारत की खबरें : राजीब अगस्ती/डॉ. आलोक सिंह
57 दक्षिण भारत की खबरें : वेद प्रकाश पांडेय/ ईश्वर करुण
58 पश्चिम भारत की खबरें : आशा सिंह देवासी/धीरेन बरोट
59 आर्थिक जगत : हेमन्त उपाध्याय

जॉब अलर्ट

60 सरकारी नौकरियों में अवसर : सी.ए. स्वीटी जैन

देश भर में 'चाणक्य वार्ता' के प्रतिनिधि

राज्य ब्यूरो चीफ
धीरेन्द्र मिश्र, नई दिल्ली
डॉ. अमर सिंहल, जयपुर, राजस्थान
शैलेन्द्र जैन, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
अजय भट्ट, देहरादून, उत्तराखंड
डॉ. गुलाब सिंह, यमुना नगर, हरियाणा
शरद छिब्बर, चंडीगढ़
रमेश गुप्ता, उधमपुर, जम्मू-कश्मीर
गुरुवचन सिंह, शिमला, हिमाचल प्रदेश
सतीश दास, गुवाहाटी, असम
डॉ. आलोक सिंह, शिलांग, मेघालय
रतन सूत्रधार, अगरतला, त्रिपुरा
तुंबन रीबा 'लीली', ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश
हुरुई जेलियांग, दीमापुर, नागालैंड
ए. रणजीत, आईजोल, मिजोरम
किरन कुमार, इंफाल, मणिपुर
डॉ. टी.बी. छेत्री, गंगटोक, सिक्किम
वेद प्रकाश पाण्डेय, बैंगलुरु, कर्नाटक
ईश्वर करुण, चेन्नई, तमिलनाडु
जी. गौरीशंकर, हैदराबाद, तेलंगाना
उमा महेश्वर रेड्डी, विजयवाड़ा, आंध्रप्रदेश
श्रीकांत कण्णन, पुडुचेरी
अरुण लक्ष्मण, तिरुवन्तपुरम, केरल
किशोर आपटे, मुंबई, महाराष्ट्र
विनोद कुशवाहा, भोपाल, म.प्र.
सियानंद मंडल, पटना, बिहार
गौतम चौधरी, राँची, झारखंड
प्रफुल्ल कुमार दाश, भुवनेश्वर, ओड़िशा
अशोक नंदी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
राजेन्द्रपाल शर्मा, पोर्टब्लेयर, अंडमान निकोबार

नेशनल सोशल मीडिया हेड
हेमन्त उपाध्याय, जयपुर

नेशनल मार्केटिंग हेड
धीरेन बरोट, अहमदाबाद

जिला ब्यूरो चीफ
अविनाश पाठक, नागपुर, महाराष्ट्र
अनमोल जैन, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
सुनीता गोस्वामी, मथुरा, उत्तर प्रदेश
डॉ. डी.के. अस्थाना, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
संजय सक्सेना, कानपुर, उत्तर प्रदेश
सोनम जैन, दिल्ली
डॉ. ललमुआनओमा साइलो, आईजोल, मिजोरम

नोट : देश के कोने-कोने में आप अपने समाचार पत्र हॉकर के माध्यम से घर बैठे 'चाणक्य वार्ता' पत्रिका मँगा सकते हैं। यदि आपको पत्रिका मिलने में कठिनाई होती है, तो आप 'चाणक्य वार्ता' के मुख्य प्रसार कार्यालय, नई दिल्ली में 08586858185 पर संपर्क कर सकते हैं अथवा *chanakyavarta@gmail.com* पर ई-मेल भी कर सकते हैं।

प्रसार प्रबंधक

© सर्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशित सामग्री के उपयोग के लिए लेखक, प्रकाशक की अनुमति आवश्यक है। प्रकाशित रचनाओं के विचार से 'चाणक्य वार्ता' पत्रिका का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अंतर्गत विचारणीय रहेंगे।

इंटरनेशनल दिव्य परिवार सोसाइटी, नई दिल्ली का पाक्षिक प्रकाशन

चाणक्य वार्ता मीडिया प्रा.लि. का उपक्रम

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अमित जैन के लिए विकास कम्प्यूटर एंड प्रिंटर्स, ट्रोनिका सिटी, लोनी, गाजियाबाद से मुद्रित एवं ए-28, मनसाराम पार्क, नई दिल्ली से प्रकाशित।

सम्पादक : **अमित जैन।**

वेबसाइट : www.chanakyavarta.com

सम्पादक के नाम पत्र

आप सभी पाठकगण पत्रिका में प्रकाशित लेखों पर अपने विचार या कोई सुझाव हमें हमारी ई-मेल आईडी response50123@gmail.com पर भेज सकते हैं। स्थान की उपलब्धता के अनुसार हम आपके विचारों को शामिल करने का प्रयास करेंगे।
—सम्पादक 'चाणक्य वार्ता'

चाणक्य वार्ता के सफल दस वर्ष पूर्ण होने और 11वें वर्ष के प्रथम अंक के लिए ढेरों शुभकामनाएं। बाल साहित्य विशेषांक को आपने रचनात्मकता के साथ-साथ ज्ञानवर्धक और मनोरंजन से पूर्ण किया है जो अपने आप में एक महत्वपूर्ण कार्य योजना है। आपकी ये कार्यशैली बाल साहित्य के प्रति आपकी विशेष योग्यता को दर्शाती है। यह मात्र पत्रिका नही बल्कि साहित्य की पूरी दुनिया है। यहां बचपन से पचपन तक को जोड़ा गया है, गाँव ओर शहर नही बल्कि दुनिया के हर प्रांत को बाल साहित्य के रंग में सींचा गया है। आप आगे आने वाले बाल साहित्य अंकों में कुछ पृष्ठ कलात्मक रचनाओं के लिए भी जोड़े जैसे चित्रकारी, वर्ग पहेली, अजब सवाल के गजब जवाब तथा कुछ विशेष आश्चर्यजनक बातें जो ज्ञान का पिटारा बने, जिससे बच्चों का जुड़ाव बना रहे। हो सकता है किसी को काव्य रचनाओं में रुचि न हो तो वो अन्य जानकारियों के कारण पत्रिका से जुड़े रहे। इस अंक को आपकी सहयोगी टीम आर.पी. तोमर, सारांश कनौजिया डा. महेश्वर दत्त शर्मा, अतिथि संपादक रोचिका अरूण शर्मा ओर सबसे बड़ा अप्रत्यक्ष सहयोगी आपका परिवार (सोनम जैन, आराध्या व श्रेया) है। आप सभी को दिल से सलाम। अगर भविष्य में मेरे योग्य कोई भी रचनात्मक सहयोग की अपेक्षा लगे तो अवश्य बताएँ। मेरी बाल पहेलियों को पत्रिका का हिस्सा बनाने के लिये आप सभी का आभार।

महेश सोलंकी
जोधपुर, राजस्थान

21 जनवरी को कांस्टीट्यूशन क्लब, नई दिल्ली में आयोजित बाल साहित्य विशेषांक के विमोचन कार्यक्रम में आकर मुझे बहुत सुखद अनुभव हुआ। आपने मेरे जैसे मामूली लेखक को सम्मानित करने की जो योजना बनाई थी, उसने मुझे बहुत सुख दिया। बहुत से नए लोगों से भेंट हुई, उन्हें समझने का अवसर मिला। आदरणीय भाला जी और तागी जी से व्यक्तिगत रूप से मिला। बहुत सहज और सरल व्यक्ति हैं वे दोनों। आपको सुंदर कार्यक्रम के लिए बहुत-बहुत बधाई और मुझे न्यौता देने के लिए आपका आभार! बहुत जल्द आपसे आपके कार्यालय में भेंट होगी।

धर्मवीर, बाल साहित्यकार
नई दिल्ली

'चाणक्य वार्ता' का बाल साहित्य विशेषांक (1–15 जनवरी 2026) समकालीन हिंदी साहित्य में एक आवश्यक एवं सराहनीय अंक के रूप में सामने आया है। प्रायः गंभीर साहित्यिक विमर्शों के बीच बाल साहित्य को सीमित महत्व दिया जाता है, किंतु इस अंक ने उसे केंद्र में लाकर यह सिद्ध किया है कि बच्चों के लिए लिखा गया साहित्य भी उतना ही विचारोत्तेजक, संवेदनशील और रचनात्मक हो सकता है। अंक का संपादकीय पक्ष इसकी सबसे बड़ी शक्ति है। डॉ. अमित जैन के संपादकीय मार्गदर्शन और रोचिका शर्मा के अतिथि संपादन ने इस विशेषांक को स्पष्ट दिशा दी है। चयनित रचनाएँ यह संकेत देती हैं कि संपादन केवल संकलन नहीं, बल्कि दृष्टि और उत्तरदायित्व का कार्य है। विषयों की विविधता, भाषा की सरलता और भावों की स्वच्छता-तीनों के बीच संतुलन बनाए रखा गया है।

इस विशेषांक में प्रकाशित बाल कथाएँ, कविताएँ और अन्य विधाएँ बाल मनोविज्ञान को ध्यान में रखकर रची गई हैं। रचनाएँ बच्चों की कल्पनाशीलता को प्रोत्साहित करती हैं और साथ ही उन्हें जीवन-मूल्यों से भी परिचित कराती हैं। उल्लेखनीय है कि अधिकांश रचनाएँ उपदेशात्मक बोझ से मुक्त हैं; वे स्थितियों और अनुभवों के माध्यम से अपने अर्थ खोलती हैं, जो बाल साहित्य की एक महत्वपूर्ण शर्त है। भाषा-शैली की दृष्टि से यह अंक सराहनीय है। सरल, संवादात्मक और प्रवाहपूर्ण भाषा बच्चों के पाठक वर्ग के अनुकूल है। प्रस्तुति में भी पत्रिका की परिपक्वता दिखाई देती है।

'चाणक्य वार्ता' का यह बाल साहित्य विशेषांक न केवल बच्चों के लिए पठनीय है, बल्कि अभिभावकों, शिक्षकों और बाल साहित्य में रुचि रखने वाले पाठकों के लिए भी उपयोगी और संग्रहणीय अंक है। यह विशेषांक यह विश्वास जगाता है कि बाल साहित्य को गंभीरता और संवेदना के साथ प्रस्तुत किया जाए, तो वह समाज के भावी नागरिकों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

अंजू खरबंदा
बाल साहित्यकार, नई दिल्ली

चाणक्य वार्ता के बाल विशेषांक को देखा और पढ़ा। पत्रिका का यह एक साहसिक कदम है जो 150 पृष्ठीय बाल विशेषांक प्रकाशित किया,इसमें बाल साहित्य की सभी विधाओं का समुचित प्रतिनिधित्व है। बाल साहित्य के लगभग सभी वरिष्ठ एवं सक्रिय साहित्यकारों की रचनाएं इस अंक में संकलित है। अंक की साज सज्जा और मुद्रण अत्यधिक सुरुचि पूर्ण हुआ है। यह अंक दिशा बोधक एवं संग्रहणीय है। मैंने सबसे पहले सारी कविताओं को पढ़ा। अधिकतर कविताओं में विषय की नवीनता है। इनमें भाव और शिल्प उत्तम है। मुझे विशेषतः डॉ संतोष कुमार माधव, शादाब आलम और श्याम सुशील तीनों की रचनाएं एक ही पृष्ठ पर है और ये तीनों रचनाएं अपने आप में अनूठी, रोचक और मजेदार है। साथ ही मैंने पहेलियों के सभी पृष्ठ भी पढ़े, उनमें भी पर्याप्त विविधता और नवीनता है। आगे बढ़ते हुए मैंने सभी लघु कथाएं पढ़ी। इनमें कम शब्दों में कुछ गहरा और महत्वपूर्ण संदेश देने का सफल प्रयास हुआ है। मुझे राम मूरत राही, सुधा भार्गव और शील कौशिक की लघुकथाएँ भी अच्छी लगी। बाल साहित्य को सर्वसुलभ और समृद्ध बनाने में इस अंक का योगदान अविस्मरणीय रहेगा। सभी संबंधित मित्रों को हार्दिक बधाई।

प्रकाश तातेड़,
बाल साहित्यकार, उदयपुर, राजस्थान

महोदय आपका हृदय तल से आभार व्यक्त करती हूँ कि आपने अपनी प्रतिष्ठित पत्रिका में मेरी रचना को स्थान दिया। यह बाल साहित्य विशेषांक है। वैसे मैं कहानी, कविता, नाटक, उपन्यास, लेख, लघुकथा, संस्मरण, बाल उपन्यास अर्थात गद्य और पद्य दोनों विधाओं में लिखती हूँ। मैं आपकी आशा पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करूंगी। मैंने इसे अपने सभी ग्रुप्स में भेज दिया है। फेसबुक पर भी डाल दिया है। इसके अलावा, अन्य कोई उपाय है तो सुझाव दें।

डॉ सुधा शर्मा आर्या
मेरठ, उत्तर प्रदेश